दैनिक भास्कर रांची 25-02-2022

City भास्कर

आईआईएम रांची का 10वां कन्वोकेशन • 2019-21 बैच के 305 स्टूडेंट्स को मिली डिग्री, जिसमें 203 एमबीए के

थ्री एच- ऑनेस्टी, ह्यूमिनिटी और हार्ड वर्क से मिलेगी सफलता : डायरेक्टर

झारखंड के युवाओं के लिए आईआईएम रांची शुरू करेगा जॉब फ्रेंडली सर्टिफिकेट कोर्स

सिटी रिपोर्टर. रांची

पुंदाग स्थित आईआईएम रांची के नए कैंपस में संस्थान का 10वां कन्वोकेशन गुरुवार को आयोजित हुआ। इसमें 2019-21 बैच के 305 स्टूडेंट्स को डिग्री मिली। जिसमें एमबीए से 203 स्टूडेंट्स, एमबीए एचआरएम से 72 स्टूडेंट्स, एग्जीक्यूटिव एमबीए से 24 स्टूडेंट्स और पीएचडी के 6 स्टूडेंट्स शामिल रहे। 3 विभाग एमबीए, एमबी एचआरएम और एग्जीक्यूटिव एमबीए के 9 टॉपरों को मेडल से सम्मानित किया गया। जिसमें 2 लड़कियां और 7 लड़के शामिल रहे। मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, संस्थान के डायरेक्टर शैलेंद्र सिंह, चेयरमैन बोर्ड ऑफ गवर्नेंस प्रवीण शंकर पांड्या, टाटा एस विजय, प्रदीप के बाला, ओम प्रकाश सिंघानिया, सुशील कुमार, प्रो. आनंद आदि मौजूद रहे।

आईआईएम रांची झारखंड के युवाओं के लिए सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने की तैयारी कर रहा है, ताकि कोर्स की मदद से उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिले। जल्द ही आईआईएम नए कोर्स की घोषणा करेगा। ये बातें आईआईएम डायरेक्टर ने कही। ग्रेजुएट हुए विद्यार्थियों को उन्होंने थ्री एच (ऑनेस्टी, ह्यूमिनिटी और हार्ड वर्क) का फॉर्मूला दिया। कहा कि करियर में आगे बढ़ने के लिए कृतज्ञ बने। काम पर फोकस करें। हमेशा अलर्ट रहें। खुद को अपडेट रखें, ताकि बदलती दुनिया के साथ काम कर सकें।

'अभी तो नापी है मुट्ठी भर जमीन, पूरा आसमां बाकी है...' इनोवेटिव सोच से स्टूडेंट गांवों में रहने वाले लोगों की जिंदगी बदलें : अर्जुन मुंडा

महीनों बाद दोस्तों से मिलने के बाद स्टूडेंट्स की खुशी का ठिकाना नहीं था। डिग्री लेने के बाद सभी स्टूडेंट्स ने कैप उछालकर कैंपस में खूब मस्ती की।

यादगार लम्हा...केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और आईआईएम के डायरेक्टर के साथ फोटो सेशन हुआ।

शत-प्रतिशत रहा कैंपस प्लेसमेंट, 128 कंपनियां शामिल हुईं

डायरेक्ट ने कहा कि इस साल आईआईएम रांची का प्लेसमेंट शत-प्रतिशत रहा। कुल 128 कंपनियां नौकरी देने के लिए कैंपस पहुंची। संस्थान की सफलता में हमारे 47 फैकल्टी का योगदान अहम है। कोरोना काल में आईआईएम रांची आगे आया। इच वन फीड वन अभियान से जुड़ा। संस्थान ने उन्नत भारत अभियान में 5 गांवों को गोद लिया। हेल्थ मैनेजमेंट को बेहतर बनाने एम्स देवघर से एमओयू किया।

केंद्रीय मंत्री बोले...समारोह में लड़कियों की संख्या अधिक, यह भविष्य के लिए सुखद

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि कम समय में ही आईआईएम रांची ने अपनी पहचान बना ली है। स्थापना से महज 11 सालों में आईआईएम रांची ने एनआईआरएफ रैंकिंग वर्ष-2021 में देशभर के 100 टॉप बिजनेस स्कूलों में 21वें स्थान पर जगह बना ली है। आज के दीक्षांत समारोह में डिग्री लेने वालों में बेटियां की संख्या अधिक है। यह भविष्य के लिए सुखद संकेत है। विद्यार्थियों को मुंडा ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने पर पूरा जोर है। आईआईएम देश के बेहतर बिजनेस संस्थान में अपना मुकाम रखता है। ऐसे में यहां से ग्रेजुएट होने वाले विद्यार्थियों से समाज आशा रखता है कि वह अपने इनोवेटिव सोच से गांवों में रहने वाले लोगों की जिंदगी बदलने में सहयोग करें।

अगले साल IIM रांची NIRF रैंकिंग में टॉप-10 में होगा शामिल : चेयरमैन

आईआईमए रांची बोर्ड ऑफ गवर्नेंस के चेयरमैन प्रवीण शंकर पांड्या ने कहा कि हर साल एनआईआरएफ रैंकिंग में संस्थान बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, जिस लक्ष्य के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं, उससे हमें पूरी उम्मीद है कि हम अगले साल एनआईआरएफ रैंकिंग में टॉप-10 में शामिल होंगे। जल्द ही सूचना भवन से नए कैंपस में पूरा आईआईएम शिफ्ट होगा।

इन टॉपरों को मिला मेडल

2019-21 बैच के फर्स्ट टॉपर को बोर्ड ऑफ गवर्नर चेयरमेंस मेडल, सेकेंड टॉपर को डायरेक्टर्स मेडल और थर्ड टॉपर को प्रोग्राम चेयरपर्सन मेडल दिया गया। एमबीए 2019-21 बैच में पहले स्थान पर वंश गुप्ता, दूसरे पर विवेक गुहा सरकार, तीसरे पर सिद्धांत मल्होत्रा रहे। एमबीए एचआरएम बैच में पहले स्थान पर शिवाक्षी सिंघल, दूसरे पर मेबिन डोमनिक और तीसरे स्थान पर तान्या चड्ढा रहीं। एग्जीक्यूटिव एमबीए में पहले स्थान पर रजनीश कुमार, दूसरे स्थान पर जय किशन श्राफ और तीसरे स्थान पर सचिन देव रहे। अवनीत सिंह सैनी को प्रो. आशीष हेजल मेमोरियल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

टॉपरों ने कहा...

*दिल्ली के रहने वाले **वंश गुप्ता** को एमबीए में पहला स्थान मिला है। उन्होंने बताया कि ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यम के पढ़ाई का भी अनुभव मिला। अपने दोस्तों के साथ मिल कर आईआईएम स्टूडेंट फंड नाम से क्लब बनाया। जिसमें इंवेस्टमेंट संबंधित कार्यक्रम होते थे।*

*चंडीगढ़ की रहने वाली **शिवाक्षी सिंघल** ने एमबीए एचआरएम में पहला स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि यहां के प्रोफेसरों ने हमेशा मार्गदर्शन किया। मैं क्लास की पढ़ाई में पूरी फोकस करती थी, चाहे वो ऑफलाइन मोड पर हो या ऑनलाइन मोड पर। अभी एमपीएल कंपनी में कार्यरत हूं।*

***तान्या चड्ढा** ने एमबीए एचआरएम में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि यहां मैनेजमेंट की पढ़ाई करने आई थी, लेकिन पढ़ाई के साथ काफी कुछ सीख कर जा रही हूं। देशभर से आए लोगों से मिली। उनकी संस्कृति से रूबरू हुई। सभी को जानने का अवसर मिला।*